

## लडिक्यन के जहरीली चीज से बचाव्यं।.

लडिक्यन मे जहरीली चीज क अध्ययन बालरोग विशेषज्ञ डॉ. करुण बापट अऊर ओनकरे साथीदार भी कियेनं।

(शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय अमृतसर  
[kthapur2000@yahoo.com](mailto:kthapur2000@yahoo.com))

निष्कर्ष -

1) ज्यादातर लडिक्यन के केरोसिन पिययसे विषबाधा भईलं।

2) ओसे कम तकलिफदायक दवाई अऊर नीदं क गोली खाएसे भईलं।

3) लडिक्यन के 1 से 7 दिना तक अस्पताले में रहयं पड़ा।

4) 450 लडिक्यन में से 1 क मृत्यू होयीगलयं।

अपने सक्के सिखय के चाही -

1) दवाईसे लडिक्यन के दूर रखयं ।

2) केरोसीन से लडिक्यन अऊर औरतन के बचाव्यं। हर साल सब्से ज्यादा विषबाधा केरोसिन से होथं।

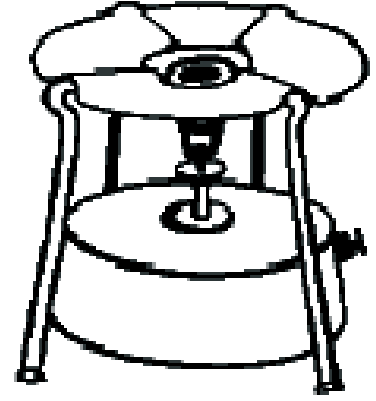
स्टोव,दिया में डालय बीना आपन सभे ओके गिलास् या कटोरी में लेईथं।

लिडिक्यन एके पानी समझ के पिलेथेनं।

बीमार होईके मर सकथेनं।

ऐहिबीना लडिक्यन के हाथे से केरोसीन दूर रखयं। खाए-पिययके बर्तन में न डाल्यं। हर साल अंदाजसे 1

लाख औरत तथा लडिक्यन केरोसिन अऊर स्टोव से जलके



मरथेनं। ऐसे बचय बीना सबके ई जानकारी देयं।

1) प्रेशर वाला स्टोव्ह बंद कर देव्य के चाही। ऐसे दुर्घटना होव्यक संभावना ज्यादा होयं। बत्तीवाला नूतन स्टोव्ह क इस्तेमान करयं, ई अच्छा बां।

2) केरोसिन वाला स्टोव्ह के रसोई के तकथा पें ही रखयं के चाहीं। नीचे रखयं दुर्घटना होय सकथं। छोट लडिक्यन, भाग्यवाले लडिक्यन ऐप्पा गिरथेनं।

3) ज्यादातर ढिल कपडा, पल्लू, दुपट्टा, आदि में आग लगयं से औरतन जरथीनं। खाना बनावतं दर्इयाँ ई कपडा न पहिरयं के चाहीं।

4) नॉयलॉन क कपडा जलय से शरीर में चिपक जाथं। ऐहिबीना हमेशा सुती कपडा हि

पहिरय के चाहीं।

5) पल्लू से, दुप्पटासे, स्टेव्ह पे रखलं बर्तन न उठाव्य के चाहीं।

6) शरीर पे कभव केरोसिन न डाल्यं। झूठ धमकी देव्य बीना भी नाहीं।

7) शादी में दुल्हा खंजर या तलवार कमर में बाधथं। कुल लडकीन क रक्षा बीना अपने पास हमेशा एकखे पुलिस सिटी (5 रु.क.) अऊर एकखे फोर्डींग चक्कू (15 रु.क.) रखयं के चाहीं।

काहिकेकी

दुनिया भरे में 80 प्रतिशत लडिक्यन के ससुराल में तलकिफ क सामना करयं पडथं।

8) एक लाख मृत्यु बचाव्य बीना ई बिना पईसा क जानकारी 113 करोड़ देशवासियनं के 15 भाषामें, चिहठी से, टी.व्ही, ई-मेल, एस.एम.एस. लिखके, रेडियो के सहारे से भेजयं।

9) गैस उपभोक्ता के गैस खरिदते वक्त ओकरे उपयोग क जानकारी दी जायं। गैस के वजह से साल

भरेमें कितना लोक मरथेनं? ऑईल / तेल मंत्रालय के केरोसिन क सुरक्षित उपायोग के बारे में जानकारी देव्य के चाहीं। प्रेशर वाला स्टोव्ह पे पाबंदी लगाव्य के चाहीं। आजय 50 पईसा के पोस्ट कार्ड पे ऑईल /तेल मंत्री के ई पता दे लिखयं - तेल मंत्रालय, शास्त्रीय भवन, नई दिल्ली, 110001 ऐनकरे सके कार्यालय में चिटठीनं क बारिश होव्यके चाहीं। करोड

रुपियॉ मुनाफा  
कमाव्य वाली  
नवरत्न तेल  
कम्पनि,  
ऐन्कर सकर ई  
फर्जबा कि  
सबके केरोसिन  
क सुरक्षित  
इस्तमाल के  
बारे में सही  
जानकारी देयं।  
ई कम्पनि क

शहरे में गांव  
में लगल बोर्ड  
क होती  
जलाव्यं तभ्य  
ऐन्हनक आँख  
खुलीं।.